ORIGINAL

अणुव्रत आंदोलन

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

के तत्वावधान में

अणुव्रत आंदोलन प्रवर्तन का गौरवशाली 75वां वर्ष

अणुविभा

अणुव्रत अमृत महोत्सव

अणुव्रत अमृत रैली एवं प्रेस क्रांफ्रेंस

आमंत्रण पत्र

दिनांक .....

सम्मानित श्री

.....

.....

विषय : **अणुव्रत रैली हेतु आमंत्रण**

सादर अभिवादन। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अणुव्रत आन्दोलन अब नए निखरे और संगठित स्वरूप में मानव मात्र की सेवा के लिए कृत–संकल्पित है। अणुव्रत आन्दोलन की प्रतिनिधि संस्था का गौरवमयी दायित्व अणुव्रत अनुशास्ता ने अणुव्रत विश्व भारती को सौंपा है और स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर पर अणुव्रत की समस्त प्रवृत्तियों–गतिविधियों का संचालन अब अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के मंच से हो रहा है।

आचार्य तुलसी ने 1 मार्च, 1949 (फाल्गुन शुक्ल द्वितीया) को सरदारशहर (राजस्थान) से अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन कर छोटे–छोटे संकल्पों से जीवन में परिवर्तन लाने का मार्ग प्रशस्त किया था। मानवीय मूल्यों के आधार पर आदर्श समाज की रचना अणुव्रत आन्दोलन का मूलभूत लक्ष्य है। अणुव्रत दर्शन व्यक्ति–सुधार को समाज–सुधार की बुनियाद मानता है। अणुविभा के संक्षिप्त नाम से लोकप्रिय अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से अणुव्रत आंदोलन को जन–जन तक पहुँचाने में जुटी है।

अणुव्रत आंदोलन अपने प्रवर्तन के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह वर्ष 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' के रूप में देश–विदेश में मनाया जाएगा। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी की पावन सन्निधि में 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' की शुरुआत **21 फरवरी 2023** को **गुजरात** में होगी। देशभर में फैली अणुव्रत समितियां इस अवसर पर अणुव्रत अमृत रैली का आयोजन कर रही हैं। जो समापन स्थल पर सभा में परिवर्तित हो जायेगी, जहां पर एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन भी किया जायेगा। इस प्रकार अणुव्रत आचार संहिता को मुखर करती, इस रैली से सद्भावना, नैतिकता, नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण का सीधा संदेश जायेगा। यह एक मानवता हितार्थ बहुपयोगी जन–जागरण अभियान होगा।

- **इस रैली के शुभारम्भ (झण्डा लहराकर) हेतु हम आपको मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हैं।**
- **इस रैली में सहयोगी संस्था के रूप में हम संस्था पदाधिकारियों व सदस्यों को आमंत्रित करते हैं।**
- **इस रैली में आपकी मीडिया टीम को आमंत्रित करते हैं।**
- **इस में आपको मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हैं।**
- **आदरणीय जिला शिक्षा अधिकारी महोदय – हम आपके कार्यक्षेत्र में आने वाली सभी शिक्षण संस्थाओं को इस रैली में सम्मलित होने हेतु अनुरोध करते हैं। कृपया इस हेतु आप एक आदेश पारित करवाने का श्रम करें।**
- **आदरणीय प्रिंसीपल जी – इस रैली में हम आपके विद्यालय के कक्षा 8 से 10 के विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हैं।**

आदर सहित,

अध्यक्ष
अणुव्रत समिति,.....

मंत्री
अणुव्रत समिति,.....

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

के तत्वावधान में

अणुव्रत आंदोलन प्रवर्तन का गौरवशाली 75वां वर्ष

अणुव्रत अमृत महोत्सव

अणुव्रत अमृत रैली एवं प्रेस क्रांफ्रेंस

आमंत्रण पत्र

दिनांक .....

सम्मानित श्री

.....

.....

विषय : **अणुव्रत रैली हेतु आमंत्रण**

सादर अभिवादन। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अणुव्रत आन्दोलन अब नए निखरे और संगठित स्वरूप में मानव मात्र की सेवा के लिए कृत–संकल्पित है। अणुव्रत आन्दोलन की प्रतिनिधि संस्था का गौरवमयी दायित्व अणुव्रत अनुशास्ता ने अणुव्रत विश्व भारती को सौंपा है और स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर पर अणुव्रत की समस्त प्रवृत्तियों–गतिविधियों का संचालन अब अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के मंच से हो रहा है।

आचार्य तुलसी ने 1 मार्च, 1949 (फाल्गुन शुक्ल द्वितीया) को सरदारशहर (राजस्थान) से अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन कर छोटे–छोटे संकल्पों से जीवन में परिवर्तन लाने का मार्ग प्रशस्त किया था। मानवीय मूल्यों के आधार पर आदर्श समाज की रचना अणुव्रत आन्दोलन का मूलभूत लक्ष्य है। अणुव्रत दर्शन व्यक्ति–सुधार को समाज–सुधार की बुनियाद मानता है। अणुविभा के संक्षिप्त नाम से लोकप्रिय अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से अणुव्रत आंदोलन को जन–जन तक पहुँचाने में जुटी है।

अणुव्रत आंदोलन अपने प्रवर्तन के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह वर्ष 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' के रूप में देश–विदेश में मनाया जाएगा। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी की पावन सन्निधि में 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' की शुरुआत **21 फरवरी 2023** को **गुजरात** में होगी। देशभर में फैली अणुव्रत समितियां इस अवसर पर अणुव्रत अमृत रैली का आयोजन कर रही हैं। जो समापन स्थल पर सभा में परिवर्तित हो जायेगी, जहां पर एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन भी किया जायेगा। इस प्रकार अणुव्रत आचार संहिता को मुखर करती, इस रैली से सद्भावना, नैतिकता, नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण का सीधा संदेश जायेगा। यह एक मानवता हितार्थ बहुपयोगी जन–जागरण अभियान होगा। **इस रैली के शुभारम्भ (झण्डा लहराकर) हेतु हम आपको मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हैं।**

आदर सहित,

अध्यक्ष	मंत्री
अणुव्रत समिति,.....	अणुव्रत समिति,.....

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

के तत्वावधान में

अणुव्रत आंदोलन प्रवर्तन का गौरवशाली 75वां वर्ष

अणुव्रत अमृत महोत्सव

अणुव्रत अमृत रैली एवं प्रेस क्रांफ्रेंस

आमंत्रण पत्र

दिनांक .....

सम्मानित श्री

.....

.....

विषय : **अणुव्रत रैली हेतु आमंत्रण**

सादर अभिवादन। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अणुव्रत आन्दोलन अब नए निखरे और संगठित स्वरूप में मानव मात्र की सेवा के लिए कृत–संकल्पित है। अणुव्रत आन्दोलन की प्रतिनिधि संस्था का गौरवमयी दायित्व अणुव्रत अनुशास्ता ने अणुव्रत विश्व भारती को सौंपा है और स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर पर अणुव्रत की समस्त प्रवृत्तियों–गतिविधियों का संचालन अब अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के मंच से हो रहा है।

आचार्य तुलसी ने 1 मार्च, 1949 (फाल्गुन शुक्ल द्वितीया) को सरदारशहर (राजस्थान) से अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन कर छोटे–छोटे संकल्पों से जीवन में परिवर्तन लाने का मार्ग प्रशस्त किया था। मानवीय मूल्यों के आधार पर आदर्श समाज की रचना अणुव्रत आन्दोलन का मूलभूत लक्ष्य है। अणुव्रत दर्शन व्यक्ति–सुधार को समाज–सुधार की बुनियाद मानता है। अणुविभा के संक्षिप्त नाम से लोकप्रिय अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से अणुव्रत आंदोलन को जन–जन तक पहुँचाने में जुटी है।

अणुव्रत आंदोलन अपने प्रवर्तन के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह वर्ष 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' के रूप में देश–विदेश में मनाया जाएगा। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी की पावन सन्निधि में 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' की शुरुआत **21 फरवरी 2023** को **गुजरात** में होगी। देशभर में फैली अणुव्रत समितियां इस अवसर पर अणुव्रत अमृत रैली का आयोजन कर रही हैं। जो समापन स्थल पर सभा में परिवर्तित हो जायेगी, जहां पर एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन भी किया जायेगा। इस प्रकार अणुव्रत आचार संहिता को मुखर करती, इस रैली से सद्भावना, नैतिकता, नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण का सीधा संदेश जायेगा। यह एक मानवता हितार्थ बहुपयोगी जन–जागरण अभियान होगा। **इस रैली में सहयोगी संस्था के रूप में हम संस्था पदाधिकारियों व सदस्यों को आमंत्रित करते हैं।**

आदर सहित,

अध्यक्ष	मंत्री
अणुव्रत समिति,.....	अणुव्रत समिति,.....

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

के तत्वावधान में

अणुव्रत आंदोलन प्रवर्तन का गौरवशाली 75वां वर्ष

अणुव्रत अमृत महोत्सव

अणुव्रत अमृत रैली एवं प्रेस क्रांफ्रेंस

आमंत्रण पत्र

दिनांक .....

सम्मानित श्री

.....

.....

विषय : **अणुव्रत रैली हेतु आमंत्रण**

सादर अभिवादन। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अणुव्रत आन्दोलन अब नए निखरे और संगठित स्वरूप में मानव मात्र की सेवा के लिए कृत–संकल्पित है। अणुव्रत आन्दोलन की प्रतिनिधि संस्था का गौरवमयी दायित्व अणुव्रत अनुशास्ता ने अणुव्रत विश्व भारती को सौंपा है और स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर पर अणुव्रत की समस्त प्रवृत्तियों–गतिविधियों का संचालन अब अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के मंच से हो रहा है।

आचार्य तुलसी ने 1 मार्च, 1949 (फाल्गुन शुक्ल द्वितीया) को सरदारशहर (राजस्थान) से अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन कर छोटे–छोटे संकल्पों से जीवन में परिवर्तन लाने का मार्ग प्रशस्त किया था। मानवीय मूल्यों के आधार पर आदर्श समाज की रचना अणुव्रत आन्दोलन का मूलभूत लक्ष्य है। अणुव्रत दर्शन व्यक्ति–सुधार को समाज–सुधार की बुनियाद मानता है। अणुविभा के संक्षिप्त नाम से लोकप्रिय अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से अणुव्रत आंदोलन को जन–जन तक पहुँचाने में जुटी है।

अणुव्रत आंदोलन अपने प्रवर्तन के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह वर्ष 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' के रूप में देश–विदेश में मनाया जाएगा। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी की पावन सन्निधि में 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' की शुरुआत **21 फरवरी 2023** को **गुजरात** में होगी। देशभर में फैली अणुव्रत समितियां इस अवसर पर अणुव्रत अमृत रैली का आयोजन कर रही हैं। जो समापन स्थल पर सभा में परिवर्तित हो जायेगी, जहां पर एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन भी किया जायेगा। इस प्रकार अणुव्रत आचार संहिता को मुखर करती, इस रैली से सद्भावना, नैतिकता, नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण का सीधा संदेश जायेगा। यह एक मानवता हितार्थ बहुपयोगी जन–जागरण अभियान होगा। **इस रैली में आपकी मीडिया टीम को आमंत्रित करते हैं।**

आदर सहित,

अध्यक्ष	मंत्री
अणुव्रत समिति,.....	अणुव्रत समिति,.....

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

के तत्वावधान में

अणुव्रत आंदोलन प्रवर्तन का गौरवशाली 75वां वर्ष

अणुव्रत अमृत महोत्सव

अणुव्रत अमृत रैली एवं प्रेस क्रांफ्रेंस

आमंत्रण पत्र

दिनांक .....

सम्मानित श्री

.....

.....

विषय : **अणुव्रत रैली हेतु आमंत्रण**

सादर अभिवादन। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अणुव्रत आन्दोलन अब नए निखरे और संगठित स्वरूप में मानव मात्र की सेवा के लिए कृत–संकल्पित है। अणुव्रत आन्दोलन की प्रतिनिधि संस्था का गौरवमयी दायित्व अणुव्रत अनुशास्ता ने अणुव्रत विश्व भारती को सौंपा है और स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर पर अणुव्रत की समस्त प्रवृत्तियों–गतिविधियों का संचालन अब अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के मंच से हो रहा है।

आचार्य तुलसी ने 1 मार्च, 1949 (फाल्गुन शुक्ल द्वितीया) को सरदारशहर (राजस्थान) से अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन कर छोटे–छोटे संकल्पों से जीवन में परिवर्तन लाने का मार्ग प्रशस्त किया था। मानवीय मूल्यों के आधार पर आदर्श समाज की रचना अणुव्रत आन्दोलन का मूलभूत लक्ष्य है। अणुव्रत दर्शन व्यक्ति–सुधार को समाज–सुधार की बुनियाद मानता है। अणुविभा के संक्षिप्त नाम से लोकप्रिय अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से अणुव्रत आंदोलन को जन–जन तक पहुँचाने में जुटी है।

अणुव्रत आंदोलन अपने प्रवर्तन के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह वर्ष 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' के रूप में देश–विदेश में मनाया जाएगा। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी की पावन सन्निधि में 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' की शुरुआत **21 फरवरी 2023** को **गुजरात** में होगी। देशभर में फैली अणुव्रत समितियां इस अवसर पर अणुव्रत अमृत रैली का आयोजन कर रही हैं। जो समापन स्थल पर सभा में परिवर्तित हो जायेगी, जहां पर एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन भी किया जायेगा। इस प्रकार अणुव्रत आचार संहिता को मुखर करती, इस रैली से सद्भावना, नैतिकता, नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण का सीधा संदेश जायेगा। यह एक मानवता हितार्थ बहुपयोगी जन–जागरण अभियान होगा। **इस में आपको मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हैं।**

आदर सहित,

अध्यक्ष	मंत्री
अणुव्रत समिति,.....	अणुव्रत समिति,.....

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

के तत्वावधान में

अणुव्रत आंदोलन प्रवर्तन का गौरवशाली 75वां वर्ष

अणुव्रत अमृत महोत्सव

अणुव्रत अमृत रैली एवं प्रेस क्रांफ्रेंस

आमंत्रण पत्र

दिनांक .....

सम्मानित श्री

.....

.....

विषय : **अणुव्रत रैली हेतु आमंत्रण**

सादर अभिवादन। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अणुव्रत आन्दोलन अब नए निखरे और संगठित स्वरूप में मानव मात्र की सेवा के लिए कृत–संकल्पित है। अणुव्रत आन्दोलन की प्रतिनिधि संस्था का गौरवमयी दायित्व अणुव्रत अनुशास्ता ने अणुव्रत विश्व भारती को सौंपा है और स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर पर अणुव्रत की समस्त प्रवृत्तियों–गतिविधियों का संचालन अब अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के मंच से हो रहा है।

आचार्य तुलसी ने 1 मार्च, 1949 (फाल्गुन शुक्ल द्वितीया) को सरदारशहर (राजस्थान) से अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन कर छोटे–छोटे संकल्पों से जीवन में परिवर्तन लाने का मार्ग प्रशस्त किया था। मानवीय मूल्यों के आधार पर आदर्श समाज की रचना अणुव्रत आन्दोलन का मूलभूत लक्ष्य है। अणुव्रत दर्शन व्यक्ति–सुधार को समाज–सुधार की बुनियाद मानता है। अणुविभा के संक्षिप्त नाम से लोकप्रिय अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से अणुव्रत आंदोलन को जन–जन तक पहुँचाने में जुटी है।

अणुव्रत आंदोलन अपने प्रवर्तन के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह वर्ष 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' के रूप में देश–विदेश में मनाया जाएगा। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी की पावन सन्निधि में 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' की शुरुआत **21 फरवरी 2023** को **गुजरात** में होगी। देशभर में फैली अणुव्रत समितियां इस अवसर पर अणुव्रत अमृत रैली का आयोजन कर रही हैं। जो समापन स्थल पर सभा में परिवर्तित हो जायेगी, जहां पर एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन भी किया जायेगा। इस प्रकार अणुव्रत आचार संहिता को मुखर करती, इस रैली से सद्भावना, नैतिकता, नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण का सीधा संदेश जायेगा। यह एक मानवता हितार्थ बहुपयोगी जन–जागरण अभियान होगा। **आदरणीय जिला शिक्षा अधिकारी महोदय – हम आपके कार्यक्षेत्र में आने वाली सभी शिक्षण संस्थाओं को इस रैली में सम्मलित होने हेतु अनुरोध करते हैं। कृपया इस हेतु आप एक आदेश पारित करवाने का श्रम करें।**

आदर सहित,

अध्यक्ष	मंत्री
अणुव्रत समिति,.....	अणुव्रत समिति,.....

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

के तत्वावधान में

अणुव्रत आंदोलन प्रवर्तन का गौरवशाली 75वां वर्ष

अणुव्रत अमृत महोत्सव

अणुव्रत अमृत रैली एवं प्रेस क्रांफ्रेंस

आमंत्रण पत्र

दिनांक .....

सम्मानित श्री

.....

.....

विषय : **अणुव्रत रैली हेतु आमंत्रण**

सादर अभिवादन। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अणुव्रत आन्दोलन अब नए निखरे और संगठित स्वरूप में मानव मात्र की सेवा के लिए कृत–संकल्पित है। अणुव्रत आन्दोलन की प्रतिनिधि संस्था का गौरवमयी दायित्व अणुव्रत अनुशास्ता ने अणुव्रत विश्व भारती को सौंपा है और स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर पर अणुव्रत की समस्त प्रवृत्तियों–गतिविधियों का संचालन अब अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के मंच से हो रहा है।

आचार्य तुलसी ने 1 मार्च, 1949 (फाल्गुन शुक्ल द्वितीया) को सरदारशहर (राजस्थान) से अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन कर छोटे–छोटे संकल्पों से जीवन में परिवर्तन लाने का मार्ग प्रशस्त किया था। मानवीय मूल्यों के आधार पर आदर्श समाज की रचना अणुव्रत आन्दोलन का मूलभूत लक्ष्य है। अणुव्रत दर्शन व्यक्ति–सुधार को समाज–सुधार की बुनियाद मानता है। अणुविभा के संक्षिप्त नाम से लोकप्रिय अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से अणुव्रत आंदोलन को जन–जन तक पहुँचाने में जुटी है।

अणुव्रत आंदोलन अपने प्रवर्तन के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह वर्ष 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' के रूप में देश–विदेश में मनाया जाएगा। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी की पावन सन्निधि में 'अणुव्रत अमृत महोत्सव' की शुरुआत **21 फरवरी 2023** को **गुजरात** में होगी। देशभर में फैली अणुव्रत समितियां इस अवसर पर अणुव्रत अमृत रैली का आयोजन कर रही हैं। जो समापन स्थल पर सभा में परिवर्तित हो जायेगी, जहां पर एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन भी किया जायेगा। इस प्रकार अणुव्रत आचार संहिता को मुखर करती, इस रैली से सद्भावना, नैतिकता, नशामुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण का सीधा संदेश जायेगा। यह एक मानवता हितार्थ बहुपयोगी जन–जागरण अभियान होगा। **आदरणीय प्रिंसीपल जी – इस रैली में हम आपके विद्यालय के कक्षा 8 से 10 के विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हैं।**

आदर सहित,

अध्यक्ष	मंत्री
अणुव्रत समिति,.....	अणुव्रत समिति,.....